वन्य जीव सप्ताह की संक्षिप्त रिपोर्ट
भा.वा.अ.शि.प.-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर

भावाअशिप -शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, (आफरी) जोधपुर वन्य जीव सप्ताह (2 से 8 अक्टूबर 2024) थीम "Connecting People and Planet—Exploring Digital Innovation in Wildlife Conservation," के साथ मनाया गया। डॉ. तरुण कान्त, निदेशक आफरी की अध्यक्षता में वन्य-जीवों के संरक्षण की महत्ता बताने एवं उनके संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न कार्यक्रम मनाये गए। सप्ताह के आरंभ में 3.10.24 को श्री विजय बोराना, उप वन संरक्षक, राजस्थान वन विभाग, जोधपुर द्वारा "Sucess story on conservation and breeding of great Indian Bustard" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। श्री विजय बोराना ने अपने व्याख्यान में जोधपुर, जैसलमेर एवं बीकानेर में पाईजाने वाले वन्य जीवों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने गंभीर रुप से संकटग्रस्त प्रजाति ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावन) के प्राकृतिक आवासों, उनके जीवन चक्र एवं संरक्षण से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण जानकारियां भी सांझा की। कार्यक्रम में आफरी श्री विकास अरोड़ा, उप वन संरक्षक, वैज्ञानिक /अधिकारी उपस्थित रहे।

4.10.24 को आफरी परिसर के स्कूली बच्चों के लिए "Wild Life" विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस प्रतियोगिता में मास्टर शोभित प्रथम, सुश्री जाह्नवी, द्वितीय एवं मास्टर विशक पंचोली तृतीय रहे

#WILD LIFE WEEK (2ND OCT to 8TH OCT 2024)

6.10.2024 को वन्यजीव सप्ताह 2024 के कार्यक्रमों की कड़ी में सीएएसएफओएस, बर्नीहाट, असम के 46 प्रशिक्षु सहायक वन संरक्षकों के बैच ने श्री एम.एस. CASFOS के फैकल्टी अंसारी के नेतृत्व में आफरी, जोधपुर का भ्रमण किया। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान डॉ. तरुण कांत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और न्यूरल नेटवर्क-आधारित टूल "बर्डनेट" पर विस्तृत जानकारी प्रदान करी। इस टूल द्वारा पक्षियों को उनकी आवाज़ पहचानने के लिए स्मार्टफोन पर बर्डनेट ऐप का उपयोग किया जाता हैं।प्रशिक्षु सहायक वन संरक्षकों के बैच को इसके बाद आफरी परिसर में एक पक्षी-दर्शन और पहचान डेमो आयोजित किया गया। , जहां पक्षियों की पहचान की गई। डॉ. संगीता सिंह, जीसीआर ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से आगंतुक प्रशिक्षुओं को संस्थान के अनुसंधान और विस्तार की विशेषताओं के बारे में जानकारी दी।

7.10.24 को वन्य जीवों, वन्य-जीव अभ्यारण, राष्ट्रीय उद्यानों आदि से संबंधित एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन डॉ. संगीता सिंह, समूह समन्वयक (शोध) एवं प्रभागाद्यक्ष, विस्तार प्रभाग की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के तकनीकी कार्मिकों ने उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता में श्री अशोक कुमार, तकनीकी सहायक, प्रथम, श्री कुलदीप शर्मा, सीनियर तकनीशियन द्वितीय एवं श्री बी आर विश्नोई, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।डॉ.

बिलास सिंह, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं श्री अतहर परवेज, वैज्ञानिक बी निर्णायक थे।प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का संचालन कुसुम लता परिहार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने किया।

वन्यजीव सप्ताहका समापन समारोह 8.10.2024 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री इस्माइल, रंगरेज प्रसिद्ध सर्पदंश बचाव एवं सुरक्षा विशेषज्ञ के व्याख्यान से हुआ,जिसमे विशेषज्ञ ने पश्चिमी क्षेत्र में पाए जाने वाले विषधारी एवं गैर विषधारी सर्पो की पहचान उनसे सुरक्षा के तरीके तथा उनके हानिरहित पकड़ने व सुरक्षित क्षेत्रों में छोड़ने के साथ सर्प दंश की अवस्था में ली जाने वाली सावधानियों को विस्तृत रूप से बताया। कार्यक्रम के अध्यक्ष, संस्थान निदेशक डॉ. तरुण कान्त ने मुख्य अतिथि का साफा पहनाकर स्वागत किया तथा पारीस्थितिकी तंत्र में सर्प सहित अन्य वन्य जीवों की अनिवार्य भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए इनके सहअस्तित्व एवं संरक्षण को आवश्यक बताया।डॉ संगीता सिंह समूह समन्वक शोध ने वन्यजीव सप्ताह का परिचय दिया। समापन कार्यक्रम में विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया । समापन कार्यक्रम में आफरी श्री विकास अरोड़ा, उप वन संरक्षक, वैज्ञानिकसमस्त/अधिकारीएवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कुसुम परिहार, एसीटीओ ने किया।

वन्य जीव सप्ताह के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आजोजन संस्थान के विस्तार प्रभाग द्वारा किया जिसमे डॉ. संगीता सिंह, प्रभागाध्यक्ष, डॉ. बिलास सिंह, श्री अतहर परवेज़, वैज्ञानिक बी, श्रीमति कुसुम परिहार, सहा. मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री अनिल सिंह चौहान, सहा. मुख्य तकनीकी अधिकारी , श्री धानाराम, सहा. मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री ओम प्रकाश,तकनीकी सहायक एवं श्री कैलाश शर्मा ने इस कार्यक्रम के सफल संचालन में योगदान दिया।